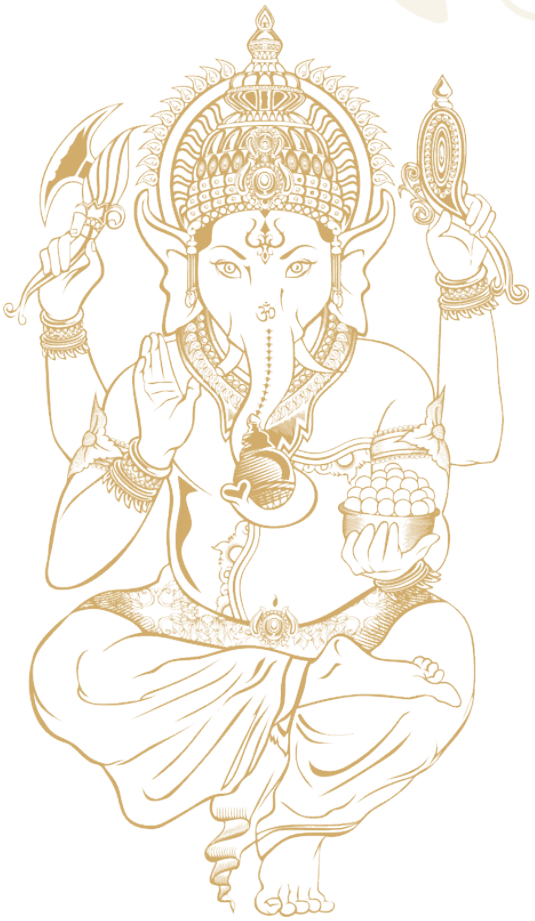

Jay Jhawar

Sheetal Mundhra

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121865601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121865601 Date: 08/04/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/10/2002	जन्म तिथि	29/06/2002
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:20:00	जन्म समय	14:30:00 घंटे
घटी 09:37:16	जन्म समय(घटी)	21:19:35 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Nokha
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	27:35:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	73:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:36:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:05	सूर्योदय	05:43:29
18:11:58	सूर्यास्त	19:35:18
23:53:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:15

वृश्चिक	लग्न	तुला
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मकर	राशि	कुम्भ
शनि	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	धनिष्ठा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	मंगल
4	चरण	4
धृति	योग	प्रीति
बालव	करण	कौलव
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	गे-गैरी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
नकुल	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
सिंह	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 9मा 21दि	18:00:04	वृश्चि	लग्न	तुला	07:38:40	मंगल 0वर्ष 0मा 9दि
राहु	26:46:56	कन्या	सूर्य	मिथु	13:33:59	गुरु
04/08/2020	08:12:16	मक	चंद्र	कुंभ	06:37:06	08/07/2020
05/08/2038	05:07:52	कन्या	मंगल	मिथु	26:54:55	08/07/2036
राहु 17/04/2023	08:50:27	कन्या	बुध	वृष	22:50:21	गुरु 26/08/2022
गुरु 10/09/2025	20:16:34	कर्क	गुरु	मिथु	28:41:44	शनि 08/03/2025
शनि 17/07/2028	21:29:04	तुला व	शुक्र	कर्क	22:59:45	बुध 14/06/2027
बुध 03/02/2031	05:11:15	मिथु व	शनि	वृष	27:07:56	केतु 20/05/2028
केतु 22/02/2032	16:10:01	वृष व	राहु व	वृष	23:48:58	शुक्र 19/01/2031
शुक्र 22/02/2035	16:10:01	वृश्चि व	केतु व	वृश्चि	23:48:58	सूर्य 07/11/2031
सूर्य 16/01/2036	01:12:00	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	04:40:30	चन्द्र 08/03/2033
चन्द्र 17/07/2037	14:18:54	मक व	नेप व	मक	16:32:50	मंगल 12/02/2034
मंगल 05/08/2038	21:38:42	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:48:44	राहु 08/07/2036

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:53:28 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:15

लग्न-चलित

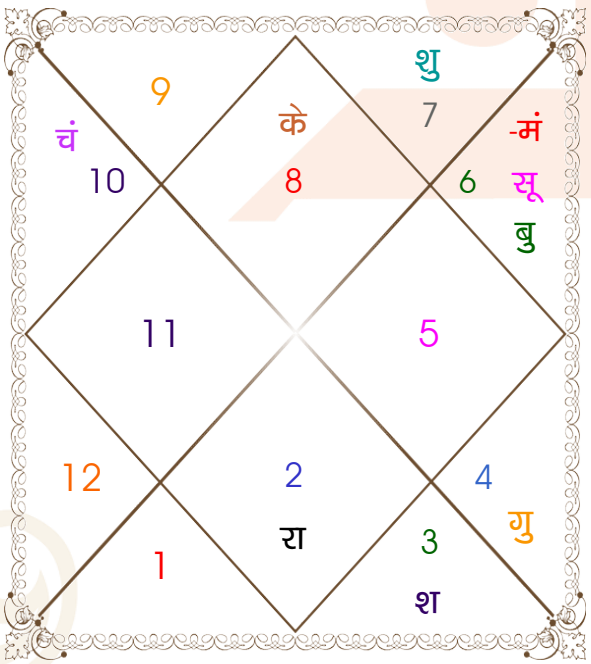

लग्न-चलित

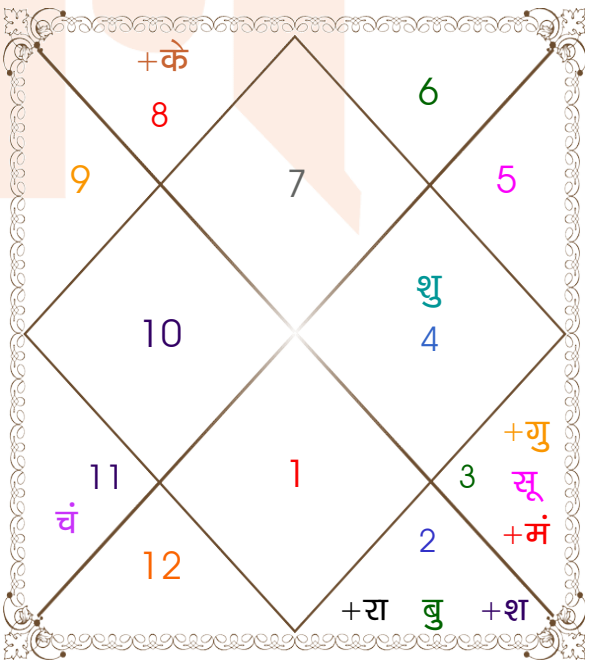

Acharya Gurudutt Jyotish Kendra
Palwal - Haryana - 121102
Website - www.acharyagurudutt.com
8920093498
contact.gurudutt@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

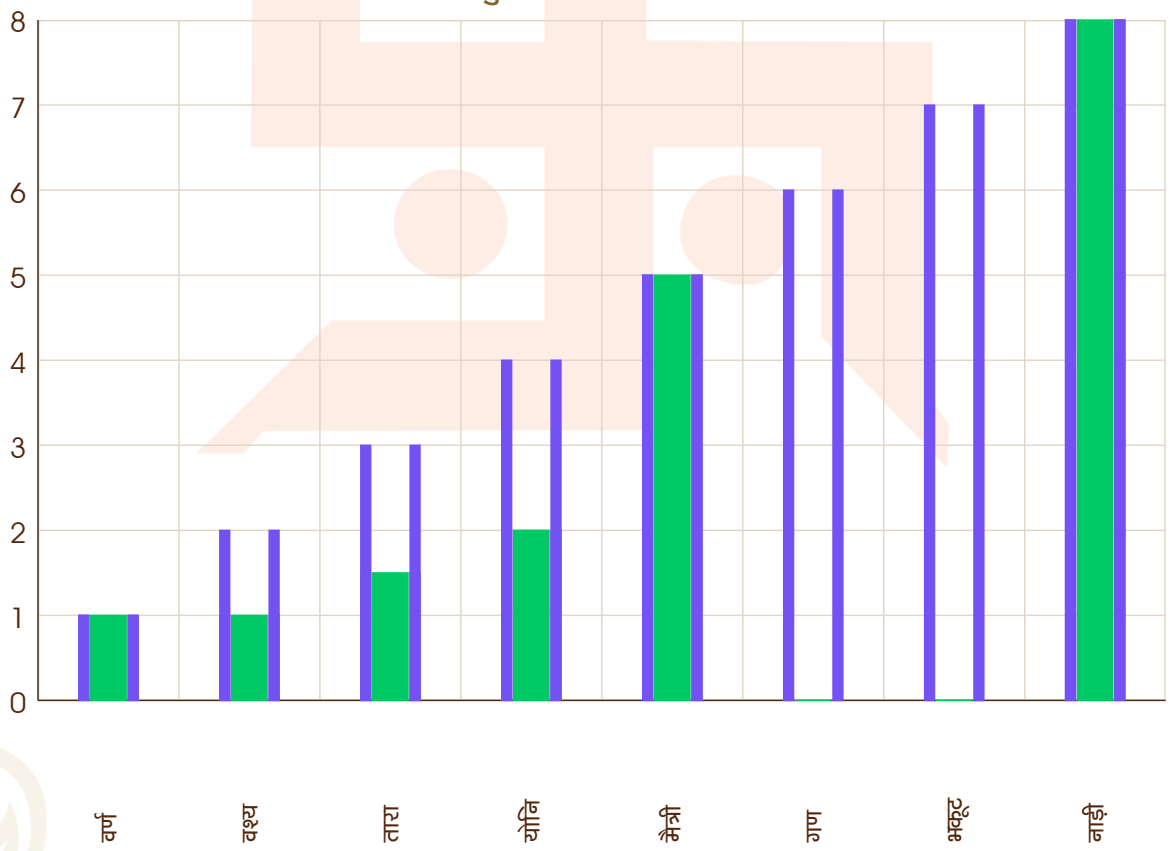

Acharya Gurudutt Jyotish Kendra
Palwal - Haryana - 121102
Website - www.acharyagurudutt.com
8920093498
contact.gurudutt@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Jay Jhawar का वर्ग सिंह है तथा Sheetal Mundhra का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jay Jhawar और Sheetal Mundhra का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Jay Jhawar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Sheetal Mundhra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Jay Jhawar तथा Sheetal Mundhra में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Jay Jhawar का वर्ण वैश्य है तथा Sheetal Mundhra का वर्ण शूद्र है। इसमें Sheetal Mundhra का वर्ण Jay Jhawar के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Sheetal Mundhra अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Sheetal Mundhra हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Jay Jhawar का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Sheetal Mundhra का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के साान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Jay Jhawar एवं Sheetal Mundhra एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Sheetal Mundhra क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Jay Jhawar की तारा मित्र तथा Sheetal Mundhra की तारा विपत है। Sheetal Mundhra की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Jay Jhawar एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Sheetal Mundhra का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Jay Jhawar की योनि नकुल है तथा Sheetal Mundhra की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Jay Jhawar एवं Sheetal Mundhra दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Jay Jhawar एवं Sheetal Mundhra दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Jay Jhawar का गण मनुष्य तथा Sheetal Mundhra का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Sheetal Mundhra का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Jay Jhawar एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Jay Jhawar से Sheetal Mundhra की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Sheetal Mundhra से Jay Jhawar की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण Jay Jhawar गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Sheetal Mundhra समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर Jay Jhawar शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो

सकते हैं।

नाड़ी

Jay Jhawar की नाड़ी अन्त्य है तथा Sheetal Mundhra की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Jay Jhawar की जन्म राशि भूमितत्व युक्त मकर तथा Sheetal Mundhra की वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। भूमि एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे संबंधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव रहेगा। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Jay Jhawar की जन्म राशि मकर तथा Sheetal Mundhra की राशि कुम्भ दोनों का स्वामी शनि है। अतः इनके मध्य मित्रता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान के लिए तत्पर रहेंगे। Jay Jhawar और Sheetal Mundhra एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः संबधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख शांति एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Jay Jhawar एवं Sheetal Mundhra की राशियां परस्पर द्वितीय द्वादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। चूंकि दोनों राशियों का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इसके अशुभ प्रभावों में न्यूनता रहेगी। लेकिन यदा कदा संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा लेकिन बुद्धिमता एवं परस्पर सामंजस्य से कार्य करके अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने में समर्थ रहेंगे।

Jay Jhawar का वश्य जलचर तथा Sheetal Mundhra का वश्य मानव है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं अलग होंगी। साथ ही काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे किंचित परेशानी की अनुभूति होगी।

Jay Jhawar का वर्ण वैश्य तथा Sheetal Mundhra का वर्ण शूद्र है। अतः Jay Jhawar की प्रवृति धनार्जन संबंधी कार्यो में रहेगी तथा धन को विशिष्ट महत्व देंगे लेकिन Sheetal Mundhra किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी।

धन

Jay Jhawar और Sheetal Mundhra की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया Jay Jhawar और Sheetal Mundhra समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Sheetal Mundhra की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक

व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही Jay Jhawar भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए Jay Jhawar और Sheetal Mundhra को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Jay Jhawar की नाड़ी अन्त्य तथा Sheetal Mundhra की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Jay Jhawar और Sheetal Mundhra का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Jay Jhawar और Sheetal Mundhra के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sheetal Mundhra के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sheetal Mundhra को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sheetal Mundhra को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Jay Jhawar और Sheetal Mundhra सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Jay Jhawar और Sheetal Mundhra का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sheetal Mundhra तथा उसकी सास के परस्पर संबध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी

गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Sheetal Mundhra धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृति का अनुसरण करें तो सास से संबधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Sheetal Mundhra के संबध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की भावना तथा सेवा की प्रवृति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Sheetal Mundhra का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Jay Jhawar की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Jay Jhawar सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Jay Jhawar ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Jay Jhawar के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।